केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - १

रविवार, १० जुलाई, २०११ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१३ (१०)	
विभाग-३, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. **आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।

३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।

४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

५. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → | गुण : १ | | ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

९. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

१०. **परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्युट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नही होंगे ।**

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID.**
6. Marks for Question → | 1 Mark | | ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''जो सही अर्थ में परमात्मा के आश्रित होते हैं, वे किसी से डरते नहीं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''उसमें तो जीव है । मैं उसे नहीं तोडूँगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''उनसे जाकर कहो कि ये फल न खाएँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. नीलकंठवर्णी ने अपनी वाणी को शाप दिया ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. नीलकंठवर्णी ने श्रीपुर का महंतपद ठुकरा दिया ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२		प्र-३	

३. हाटकेश्वर महादेव के मंदिर में नागर ब्राह्मण आश्चर्यचकित रह गया ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. लखु चारण के घर नीलकंठ । २. नीलकंठ से पुनर्मिलन । ३. धर्म का उपदेश ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-४		प्र-५		प्र-६	

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. घायल लाखाने हाथ जोड़कर नीलकंठवर्णी को क्या कहा ? गुण : १

.....

.....

२. रामानंद स्वामी ने नीलकंठवर्णी को धर्मधुरा धारण कब करवाई ? (संवत्, तिथि) गुण : १

.....

.....

३. रामानंद स्वामी जहाँ भी जाते वहाँ क्या कहा करते थे ? गुण : १

.....

.....

४. खंभे को पकड़कर रहने का अर्थ क्या है ? गुण : १

.....

.....

५. नीलकंठवर्णी के बायें पैर (चरणारविंद) में भगवानदास को कौन-से चिह्न दिखाई दिये ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. नीलकंठवर्णी और रामानन्द स्वामी का मिलन हुआ । गुण : २

(१) ☐ जयेष्ठ शुक्ल पक्ष द्वादशी (२) ☐ संवत् १८५६

(३) ☐ जयेष्ठ कृष्ण पक्ष द्वादशी (४) ☐ संवत् १८६५

२. नीलकंठवर्णी ने किस तरह सेवकराम की सेवा की ? गुण : २

(१) ☐ नीम के पत्तों की शय्या बिछाई । (२) ☐ दस्त से सने हुए कपड़े धोते ।

(३) ☐ भोजन बनाकर उसे खिलाते । (४) ☐ मेवा-मिठाई खिलाते ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. घनश्याम के वियोग से उनके मित्र ..... की मृत्यु हो गई । गुण : १

२. रामानंद स्वामी ने नीलकंठवणी को गुरुमंत्र देकर 'सहजानंद स्वामी' तथा '.....' नाम घोषित किये । गुण : १

३. नीलकंठवर्णी ने ..... से अष्टांगयोग सिद्ध किया । गुण : १

४. नीलकंठवर्णी ने काठमांडू के राजा ..... का असाध्य रोग दूर किया । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-७		प्र-८	

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''बेटी ! तुम किसकी भक्ति कर रही हो ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

२. ''तुम यदि हमें महान व्यक्ति मानते हो तो मेरा कहा मानकर वहाँ जाने की जिद छोड़ दो और समझ लो कि तुम्हारे सारे दु:ख मेरी गद्दी के नीचे दबे हैं ।'

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

३. ''तुम पर भगवान और साधु-संतों की अखण्ड कृपादृष्टि बनी रहेगी ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. शुकमुनि ने सुखड़ी का दातुन किया ।

.....

.....

.....

..... | गुण : २ |

२. झीणाभाई खुदा का सच्चा आशिक जीव है, जितेन्द्रिय पुरुष है, ऐसा लगने से नवाब साहब का आदर बढ़ गया ।

.....

.....

.....

..... | गुण : २ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-९	

प्र. ९ 'लाडुदानजी ब्रह्मानन्द बने ।' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए ।(वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०		प्र-११	

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. सत्संग में किस का जीवन रन्तिदेव के समान था ? गुण : १

.....

.....

२. श्रीजीमहाराज ने वचनामृत कारियाणी - ३ में शुकमुनि स्वामी की क्या प्रशंसा की है ? गुण : १

.....

.....

३. श्रीजीमहाराज ने पूछा, आपकी कोई इच्छा हैं ? तब झीणाभाई ने क्या कहा ? गुण : १

.....

.....

४. ब्रह्मानन्द स्वामी ने महाराज के लिए कौन-सा औषध तैयार किया ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : सद्गुरु देवानन्द स्वामी

१. प्रभु ने उसको साक्षात् दर्शन दिये । देवीदानजी गद्गद होकर, दो हाथ जोड़कर भगवान की प्रार्थना करने लगे । **२.** मैं दोपहर में धाम में जानेवाला हूँ । **३.** पिता के उत्तराधिकारी पद को न्याय देने के लिए देवीदान अकेले ही पूजा के लिए मन्दिर पहुँचे । **४.** ब्रह्मानन्द स्वामी के अक्षरवास के बाद देवानन्द स्वामी मूली मन्दिर के महन्त के पद पर नियुक्त हुए । **५.** देवानन्द स्वामी के कीर्तन सुनकर नानालाल उनके शिष्य बने थे । **६.** ब्रह्मानन्द स्वामी के पास रहकर रसायणशास्त्र शीखने लगे । **७.** साक्षात् भगवान पुरुषोत्तमनारायण तुम्हारे गाँव में पधारेंगे, अलौकिक आश्चर्य बताएँगे । **८.** देवानन्द स्वामी महाराज की अष्ट-आठ कवियों की मण्डली में विराजमान हो गये । **९.** संवत् १९११ श्रावण कृष्णा नवमी के दिन धाम में पधारे । **१०.** शिवजी मानो प्रत्यक्ष रूप से सामने बैठे हों, उस भाव से उसने अभिषेक किया और बेलपत्तें चढ़ाये । **११.** तुम उनके मन्दिर में जाना, सरस्वती स्वयं तुम्हारी जीभ पर बिराजेगी । **१२.** उनके कीर्तनकाव्य यद्यपि उपदेशप्रधान हैं, उन पद्यों में त्याग का भाव कूट-कूट कर भरा मिलता है ।

(१) केवल सही क्रमांक | | | | | | | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम | | | | | | | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **सद्गुरु ब्रह्मानन्द स्वामी :** रास्ते में 'लाखणका' गाँव पड़ता था, वहाँ वे कुछ समय ठहरे और विद्वान भट्ट से शिल्प और स्थापत्य की दीक्षा ली । यहीं रामानन्द स्वामी के दर्शन हुए । उनसे कारीगरी शीखे ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **भक्तराज दरबार श्री झीणाभाई :** कई बार जब झीणाभगत तप करके स्वामी को प्रसन्न करने का प्रयत्न करते तो महाराज कहते : 'ज्यादा तप करना अच्छा नहीं, ऐसा तप, ऐसा त्याग चिरंजीवी नहीं होता ।'

उ. .....

.....

..... | गुण : १ | |

३. **स्वामी यज्ञप्रियदासजी :** स्वामीश्री के उग्रताभरे इन शब्दों को सुनकर आशाभाई का हृदय दु:खी हो गया, और मानसिक अशान्ति मिल रही हो ऐसा बुरा अनुभव हुआ । स्वामीश्री की बात को हृदय मान्य की ।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ | |

४. **सद्‌गुरु शुकानन्द स्वामी :** एक रात दादाखाचर के दरबार में बैठकर दो रात जागकर ब्रह्ममुनि ने किसी विषय पर चार पन्ने लिखे थे । सुबह महाराज वहाँ पधारे और लिखे हुए सभी पन्नें एकाएक पढ़ने लगे और पन्नें सम्हालकर थेली में रख दिये ।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. संस्कृति के आधार स्तंभें - शास्त्रों । २. सेवा - राजीपा का उत्तम साधन ।

३. आदिवासीओं के जीवनघड़न में बी.ए.पी.एस. ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक

केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें